

पुनः प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन

सत्र 1 : चुनिन्दा आशाओं का आवश्यकतानुसार पुनः प्रशिक्षण

दिवस :

समयावधि : 2 घं.

प्रयोजन

चार प्रशिक्षण कार्यशालाओं तथा गाँव में कार्य के पश्चात् जिन आशाओं का परीक्षाफल सन्तोषजनक नहीं है उनकी ओर व्यक्तिगत ध्यान देना, जिससे प्रशिक्षण कार्यशाला 6 के पहले उन्हें बाकी आशाओं के साथ आ पहुँचने में सहायता होगी। इन आशाओं को प्रशिक्षण कार्यशाला 1 से 4 के ज्ञान तथा योग्यताओं को सीखने तथा अभ्यास करने का अवसर देना। इनके ज्ञान तथा योग्यताओं में जो असमर्थता, प्रशिक्षण कार्यशाला 5 के मूल्यांकन के समय ध्यान में आई हो उन्हें दूर करना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यता आएँगी:

1. आशाओं को ज्ञान के मूल्यांकन में 50 प्रतिशत या अधिक तथा योग्यताओं के मूल्यांकन में 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होंगे।

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1: भूमिका नाटक के विषय
- अभ्यासपत्र 2: केस उदाहरण – सेप्सिस का निदान तथा फॉर्म भरना
- अभ्यासपत्र 3: मूल्यांकन प्रश्नपत्र
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: मूल्यांकन प्रश्नपत्र के उत्तर
- प्रशिक्षण में उपस्थित प्रत्येक आशा की 'काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड' पुस्तिका
- संगणक के साथ वेब कैमेरा या विडिओ कैमेरा
- प्रशिक्षक प्रपत्र 2 आशाओं की अंक तालिका

तैयारी

- प्रशिक्षण कार्यशाला 5 के मूल्यांकन में जिन आशाओं का परीक्षाफल असन्तोषजनक रहा हो उन्हें, एक दिन के इस प्रशिक्षण में बुलाया जाएगा।
- कार्यशाला के पूर्व प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर एक बैठक करें। बैठक के दौरान प्रत्येक आशा के प्रशिक्षण कार्यशाला 5 के दौरान किये गये मूल्यांकन की चर्चा हो। प्रशिक्षण कार्यशाला 5 से प्रत्येक आशा का मूल्यांकन प्रश्नपत्र तथा योग्यताओं का मूल्यांकन देखें और सामान्य खामियों की सूची तैयार करें। इस सूची के आधार पर इस प्रशिक्षण कार्यशाला की विषय-वस्तु निश्चित करें।
- प्रशिक्षण में उपस्थित सभी आशाओं का काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड उपलब्ध हो।
- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र 1, 2 और 3 की प्रतियाँ तैयार रखें।
- वेब कैमेरा या विडिओ कैमेरा से आशाओं द्वारा किये गये प्रदर्शन को रिकार्ड करने की तैयारी कर लें।

- मूल्यांकन के समय बाहरी परीक्षक उपस्थित हो जो आशाओं का प्रदर्शन देखकर उनकी योग्यताओं का मूल्यांकन करें।

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति एवं चर्चा : (40 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रशिक्षणार्थियों को बड़े गोले में बैठने को कहें।
2. प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से पूछें कि उन्हें कौनसी विषय-वस्तु को दुबारा सीखना है या दोहराना है। उनके उत्तरों की सूची बोर्ड पर तैयार करें।
3. प्रशिक्षक तथा सुपरवाइजर ने मिलकर, आशाओं का काम तथा क्षमता के मूल्यांकन के आधारपर, इस प्रशिक्षण के विषय-वस्तु की एक सूची पहले से ही तैयार की है। प्रशिक्षक इन दोनों सूचियों को मिलाकर देखें। दोनों सूचियों में शामिल विषय तथा कोई अतिरिक्त विषय हो तो उसे मिलाकर तय होगा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में क्या सीखना है।
4. प्रशिक्षण कार्यशाला 5 के दोहराई, अभ्यास तथा मूल्यांकन से सत्र 1 और 2 को प्रशिक्षक देखें।
5. दोहराई, अभ्यास तथा मूल्यांकन के सत्र 1 और 2 से जो भी विषय-वस्तु आवश्यक हो उसका प्रयोग प्रशिक्षक करें।
6. प्रशिक्षक, प्रत्येक आशा के आवश्यकतानुसार योग्यताओं का अभ्यास करने का समय दें।
7. जब एक आशा योग्यताओं का प्रदर्शन (अभ्यास) कर रही हो तब बाकी आशाएँ जाँच सूची के अनुसार निरीक्षण करें। इसप्रकार सभी आशाओं को प्रदर्शन तथा निरीक्षण का अवसर मिले।
8. प्रभावी बातचीत की विधियों के अभ्यास तथा मूल्यांकन के लिये भूमिका नाटक के विषय अभ्यासपत्र 1 में दिये हैं।
9. सेप्सिस के निदान तथा फॉर्म भरने की क्षमता के मूल्यांकन के लिये अभ्यासपत्र 2 में केस प्रस्तुती दी हैं।

प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन

1. अभ्यासपत्र 3: मूल्यांकन प्रश्नपत्र, सभी आशाओं को बाँटे। मूल्यांकन प्रश्नपत्र के उत्तर लिखने के लिये आशाओं को 1 घंटे का समय दें। एक घंटे के पश्चात् सारे मूल्यांकन पत्र इकट्ठा कर लें और हर प्रश्न पर चर्चा करें। कुछ समस्या हो तो पूछें और शंकाओं का समाधान करें।

प्राप्त योग्यताओं का मूल्यांकन

1. प्रशिक्षण कार्यशाला 5 के मूल्यांकन के दौरान प्रत्येक आशा ने जिन योग्यताओं का सही प्रदर्शन नहीं किया था उन्हीं योग्यताओं के लिये उस आशा का मूल्यांकन करें।
2. प्रत्येक आशा द्वारा किये गये प्रदर्शन को विडिओ कैमेरे से रिकार्ड करें।
3. आशा का 'काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड' में दी गई जाँच सूचीयों के आधारपर आशाओं का मूल्यांकन करें। आशा ने विविध कदम सही उठाये या गलत इसे पुनर्मूल्यांकन के खाने में लिखें।
4. बाहरी परीक्षक जाँच सूची के आधारपर आशाओं द्वारा किये गये प्रदर्शन का, विडिओ कैमेरा या वेब कैमेरा से किया गया रिकार्डिंग देखें। प्रत्येक कदम को अंक दें और अंकतालिका प्रशिक्षक के पास भेज दें।
5. प्रत्येक जाँच सूची में ✓ सही के निशान गिन लें। यही आशा के अंक होंगे। प्रशिक्षक देखें कि किन

योग्यताओं में अभी भी गलतियाँ होती हैं। यदि समय हो तो उन योग्यताओं को ठीक से समझाएँ तथा अभ्यास करने का अवसर दें। यदि समय न हो तो प्रशिक्षक आशाओं की गलतियों की सुपरवाईजर के साथ चर्चा करें। सुपरवाईजर गाँव के दौरे के समय उन योग्यताओं को अधिक ध्यान से देखें और गलतियाँ सुधारने के लिये आशाओं की सहायता करें

6. पिछले महीने सुपरवाईजर ने प्रत्येक आशा के व्यवहार तथा क्षमता का गाँव में मूल्यांकन किया है। सुपरवाईजर तथा प्रशिक्षक इस मूल्यांकन की चर्चा करें तथा उसे प्रशिक्षक प्रपत्र 2 में लिखें।

सारांश : (5 मि.)

- सभी आशाओं से पूछें कि इस प्रशिक्षण के पश्चात् वे कैसा महसूस कर रही हैं?
- यदि उन्हें अब भी कोई कठिनाई है तो उन्हें कहें कि वे अध्ययन सामग्री पढ़ती रहे तथा जब भी प्रशिक्षक गाँव में आये तो अपनी समस्या के बारे में उनसे चर्चा करें।
- आशाओं को उनके ज्ञान तथा योग्यताओं के मूल्यांकन के अंक बताएँ।
- जिन आशाओं का परीक्षाफल अच्छा है उन्हें बधाई दें। जिनका परीक्षा फल अच्छा नहीं है उन्हें कहें कि उनका दुबारा प्रशिक्षण तथा मूल्यांकन होगा।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
आशाओं को ज्ञान के मूल्यांकन में 50 प्रतिशत या अधिक तथा योग्यताओं के मूल्यांकन में 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त होंगे।	मूल्यांकन प्रश्नपत्र बाहरी प्रशिक्षक द्वारा योग्यताओं का मूल्यांकन	प्रत्येक आशा द्वारा हल किया गया तथा प्रशिक्षक द्वारा जाँचा गया मूल्यांकन प्रश्नपत्र आशा का विविध योग्यताओं पर प्रदर्शन जिसे आशा के 'काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड' में लिखा है। वेब कैमेरा से रिकार्ड किया गया आशा के योग्यताओं के प्रदर्शन का मूल्यांकन